

र.जी.एम. राजकीय महाविद्यालय, जोगिंदरनगर में 11वां विश्व आयुर्वेद दिवस मनाया

जोगिंदरनगर, 23 सितंबर 2026। राजीव गांधी स्मारक राजकीय महाविद्यालय, जोगिंदरनगर में 11वें विश्व आयुर्वेद दिवस के अवसर पर विविध गतिविधियों के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री प्रकाश चंद जी ने की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. रविंदर कौंडल, आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, भारतीय चिकित्सा पद्धति अनुसंधान संस्थान, उत्तर क्षेत्र, जोगिंदरनगर रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को 'मिनी हर्बल गार्डन' की अवधारणा से अवगत करवाते हुए औषधीय पौधों के महत्व और दैनिक जीवन में उनके उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घर-आंगन में औषधीय पौधे लगाकर प्रकृति से जुड़ने के साथ स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा दिया जा सकता है।

इस अवसर पर श्री रविंदर कुमार ने औषधीय चारा पौधों पर जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दी तथा पशुधन के स्वास्थ्य और पोषण में इनके महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में बी.एससी. मेडिकल के विद्यार्थियों, ईको क्लब के सदस्यों तथा एनसीसी कैडेट्स सहित लगभग 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अर्थशास्त्र विभाग से प्रो. मंजू बाला, वाणिज्य विभाग से डॉ. कुलदीप सहित अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कौमुदी ने किया, जबकि डॉ. स्मृति ठाकुर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर 'स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद – Ayurveda for Healthier Tomorrow' विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा औषधीय पादप हर्बेरियम प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने औषधीय पौधों के हर्बेरियम प्रदर्शित करते हुए उनके औषधीय गुणों एवं उपयोगों की जानकारी भी दी।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अमन (बी.एससी. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम, दिवांशी (बी.ए. प्रथम वर्ष, समाजशास्त्र) ने द्वितीय तथा सोनाक्षी (बी.ए. प्रथम वर्ष, समाजशास्त्र) और जिया (बी.ए. प्रथम वर्ष, इतिहास) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

औषधीय पादप हर्बेरियम प्रतियोगिता में अवनी ठाकुर (बी.एससी. तृतीय वर्ष, मेडिकल) प्रथम, अन्वी राणा (बी.एससी. तृतीय वर्ष, मेडिकल) द्वितीय तथा अमन (बी.एससी. द्वितीय वर्ष, मेडिकल) तृतीय स्थान पर रहे।

प्राचार्य श्री प्रकाश चंद जी ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आयुर्वेद एवं प्राकृतिक जीवन-पद्धति को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आयुर्वेद, औषधीय वनस्पतियों तथा भारतीय पारंपरिक ज्ञान के महत्व से परिचित करवाया गया।

